सकारात्मक बदलाव समय की मांग-मोहिनी

अमृत महोत्सव में माउण्ट आबू सहित देश के कई हिस्सों से उमड़ा जन सैलाब

लखनऊ, 1 नवम्बर। ब्रह्माकुमारीज संस्था के गौरवशाली 75 वर्ष पूर्ण करने के उपलक्ष्य में चारबाग, रेलवे स्टेडियम में आयोजित अमृत महोत्सव में माउण्ट आबू और दिल्ली सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से हजारों लोगों का जन सैलाब उमड़ पड़ा। इस अवसर पर सभा को सम्बोधित करते हुए माउण्ट आबू मुख्यालय से आयी ब्रह्माकुमारीज संस्था उत्तर प्रदेश की निदेशिका तथा राजयोग शिक्षा एवं शोध प्रतिष्ठान के ग्राम विकास प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्र0 कु0 राजयोगिनी ब्र0 कु0 मोहिनी ने कहा कि आज विश्व और समाज की स्थिति ऐसी उत्पन्न हो गयी है जिसमें लगता है कि मानवीय मूल्यों की कोई जगह नहीं रही है। जबकि समाज के सभी लोगों में सकारात्मक बदलाव की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है।

आगे उन्होंने कहा कि आज अमीर, गरीब, छोटा, बड़ा हर एक को अपनी सकारात्मक दिशा तय करने की जरूरत है। धन सम्पदा और भौतिक वस्तुओं के संग्रह से कभी भी सुखों की प्राप्ति सम्भव नहीं है। वर्तमान समय दुनिया और युग बदल रहा है। ऐसे में आवश्यकता है कि आने वाली विकट परिस्थितियों से पहले ही हम अपने आप को इतना सशक्त बना ले कि जीवन से समस्यायें समाप्त हो जाये। राजयोग और ध्यान प्रक्रिया इसके लिए सबसे कारगर उपाय है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एस0 एन0 शुक्ला ने कहा कि बह्माकुमारीज संस्था ने जिस मान्यताओं के साथ 75 वर्ष का सफर पूरा किया है वह आज के समय में एक चुनौती है। माताओं-बहनों द्वारा पूरी दुनिया में संचालित इस संस्थान ने लोगों में सकारात्मक बदलाव कर एक ऐसी मुहिम की क्रान्ति की है कि जिसमें सभी लोगो को भागीदार बनना चाहिए। प्यूरीटी मैगेजिन दिल्ली के प्रधान सम्पादक ब्र0 कु0 बृजमोहन ने कहा कि हम सभी चाहते है तो है कि हम और हमारा परिवार सदैव सुखी रहे परन्तु सोचते कुछ और है, और होता कुछ अलग है। यदि हम अपने सोच और संकल्प में एकरूपता लानी है तो उसके लिए अध्यात्म को अपने जीवन का अंग बनाना होगा। इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय में दिये जा रहे ज्ञान और ध्यान से 75 वर्षो के दौरान लाखों परिवारों की जीवन पद्यति में सकारात्मक बदलाव आया है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति डी के अरोरा ने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान लगातार समाज के बदलाव का प्रयास करता रहेगा। जिससे यह एक क्रान्ति का रूप ले सके। इस अवसर पर दिल्लीसे आयी ब्र0 कु0 आशा ने कहा कि हम कौन है और हमारा सही कर्म क्या है इसका प्रत्येक मनुष्य को एहसास होना चाहिए। प्लेटिनम जुबली इसका समाधान है।

लखनऊ के मेयर दिनेश शर्मा ने इस आयोजन को लखनऊ के लोगों के लिए गौरवशाली बताया। इस अवसर पर कैथरल चर्च के बिशप, शिव शांति आश्रम के सन्त श्री चाण्डूराम, वहीं कृषि उत्पादन के आयुक्त आलोक रंजन ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये। ब्रह्माकुमारीज संस्था गोमतीनगर लखनऊ की प्रभारी ब्र0 कु0 राधा ने सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संचालन ब्र0 कु0 मनोरमा ने किया।

नहीं आयी दादी: ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी किन्हीं कारणो सें नहीं आयी परन्तु लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ।

सांस्कृतिक संध्या से भाव विभोर हुए दर्शक: माउण्ट आबू से मधुर वाणी ग्रुप तथा सुरभि रंजन की प्रस्तुतियों से दर्शक भाव विभोर हो उठे।

अध्यात्ममय हुआ माहौल: जब कार्यक्रम के अतिथि मंच पर पहुंचे तो सभा में उपस्थित लोगों ने शिवध्वज लहराकर लोगों का अभिवादन किया।